RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2024-2026

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 9 अंक : 08 लखनऊ, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 से 5 मार्च 2026 पृष्ठ : 16 मूल्य : 10 रूपये

SIGMA

CONTEMPORARY
20–200mm F3.5–6.3 DG

LK SAMYANG
2 YEAR Warranty
Schneider KREUZNACH × LK SAMYANG
Wide & Standard
Compact Zoom
AF 14-24 F2.8 FE
AF 24-60 F2.8 FE
SONY
SONY
www.lksamayang.com
INNOVATIVE TECH
DISTRIBUTION PVT LTD
Importer and Distributor for North India
308 A, 3rdFloor, NDM 1 Tower,
Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi - 110034
Web: www.intechdistribution.com , Email : intechdelhi@gmail.com
Follow SAMYANG - INDIA NORTH on
Information & Sales - 011-43082205, 9050806575, Service Centre- 9871272689

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 से 5 मार्च 2026

फोटोग्राफ में एक चीज जरूर होनी चाहिए और वह है उस लम्हे की मानवता - राबर्ट फ्रैंक

EOS R6 MARK II

STUDIO LIKE VIDEOS

Canon
Delighting You Always

UNCROPPED 4K 60p

CANON COLOR SCIENCE

Uncropped 4K 60P Video
पूरा सेंसर इस्तेमाल कर चौड़े एंगल के वीडियो लें - बिना किसी कट के और पूरे व्यू कवरेज के साथ।

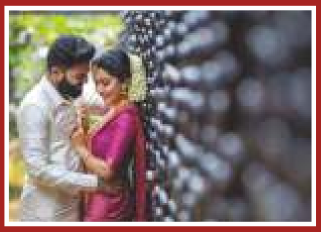

Canon Color Science
हर रोशनी और शूटिंग कंडीशन में सटीक, प्राकृतिक और फिल्म जैसी गहराई वाले रंग।

Straight-Out-of-Studio Quality
कैमरे से सीधे गहरे रंग और संतुलित टोन मिलते हैं, जिससे कलर एडिटिंग का समय और मेहनत कम हो जाती है।

Superb Low-Light Performance
हाई-सेंसिटिविटी सेंसर के साथ कम रोशनी में भी साफ और डिटेल वाला वीडियो रिकॉर्ड करें।

24.2 Megapixel Full-Frame Sensor
तेज़, हाई-रिज़ॉल्यूशन रिज़ल्ट देता है, जिसमें रंग सटीक और डिटेल्स असली जैसे दिखते हैं।

Upto 8-Stops In-Body Image Stabilization
हाथ में कैमरा पकड़कर भी आसानी से रिकॉर्डिंग करें - बिना गिम्बल के भी स्थिर वीडियो।

Lighter File Sizes
कम साइज की फाइल में लंबे समय तक रिकॉर्ड करें, फिर भी वीडियो क्वालिटी पर कोई असर नहीं।

Affordable Ecosystem
लोकप्रिय LP-E6 बैटरी और आम तौर पर इस्तेमाल होने वाले SD कार्ड के साथ कम्पैटिबल - ताकि आपको मिले बेहद किफायती सेटअप।

नोट: प्रोडक्ट की सभी विशेषताएँ और फायदे इसके स्पेसिफिकेशन, यूज़र मैनुअल और इस्तेमाल पर निर्भर करते हैं। ज़्यादा जानकारी के लिए, in.canon पर जाएं।

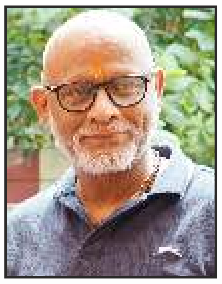

सम्पादक की कलम से ...

प्रिय फोटोग्राफर्स साथियो,

फोटोग्राफी की दुनिया में बदलाव हमेशा कैमरों से नहीं, सोच से शुरू होता है। फरवरी 2026 के इस दौर में हम एक दिलचस्प मोड़ पर खड़े हैं, जहाँ तकनीक छोटी, हल्की, सस्ती और अधिक सुलभ हो रही है, लेकिन रचनात्मक संभावनाएँ पहले से कहीं अधिक बड़ी। आज का फोटोग्राफर केवल हाई-एंड गियर पर निर्भर नहीं, बल्कि स्मार्ट, पोर्टेबल और वर्कफ़्लो-फ्रेंडली उपकरणों के साथ अपनी विजुअल भाषा गढ़ रहा है।

नए हल्के ज़ूम, कॉम्पैक्ट फ्लैश और मोबाइल-फ्रेंडली एक्सेसरीज़ यह संकेत दे रहे हैं कि इंडस्ट्री अब "कम वज़न, ज्यादा काम" के सिद्धांत पर आगे बढ़ रही है। स्ट्रीट, ट्रैवल और रोज़मर्रा की फोटोग्राफी के लिए छोटे, तेज़ और बजट-अनुकूल लेंसों की बाढ़ इस बात का प्रमाण है कि रचनात्मकता अब भारी बैग नहीं, तेज़ प्रतिक्रिया चाहती है। यह बदलाव खास तौर पर युवा फोटोग्राफरों और छोटे क्रिएटर्स के लिए अवसरों के नए दरवाज़े खोल रहा है। साथ ही, लाइटिंग और पावर सॉल्यूशंस में जो प्रगति दिख रही है, कॉम्पैक्ट फ्लैश, फुल-कलर LED पैनल, फ्रीज़-प्रूफ बैटरियाँ, वह आउटडोर और लोकेशन शूट को अधिक विश्वसनीय बना रही है। अब कठिन मौसम, सीमित जगह या बिजली की कमी रचनात्मकता में बाधा नहीं बनते। इसी क्रम में, स्मार्ट गिम्बल, पोर्टेबल SSD हब, सेकेंड-स्क्रीन मॉनिटर और AI-ट्रैकिंग वेबकैम जैसे उपकरण फोटोग्राफर और वीडियोग्राफर के वर्कफ़्लो को तेज़, सरल और मोबाइल बना रहे हैं।

AI और सॉफ्टवेयर की भूमिका भी उल्लेखनीय रूप से बदली है। एडिटिंग टूल्स में वन-क्लिक ऑब्जेक्ट ट्रैकिंग, कैमरा-रॉ नियंत्रण का नॉन-डिस्ट्रक्टिव उपयोग, इमेज-टू-वीडियो, रिलाइटिंग और उन्नत ऑप्टिकल करेक्शन - ये सब मिलकर पोस्ट-प्रोडक्शन को कम समय में अधिक सटीक बना रहे हैं। अब कलाकार का समय तकनीकी जटिलताओं में कम और रचनात्मक निर्णयों में अधिक लग रहा है। यही 2026 की असली उत्पादकता है। स्टोरेज और डेटा सुरक्षा पर भी अभूतपूर्व ध्यान दिखाई देता है। हाई-स्पीड, रग्ड SSD, NFC-आधारित सिक्योरिटी और अंतरिक्ष मिशनों तक में उपयोग हो रहे मेमोरी कार्ड यह साबित करते हैं कि इमेजिंग वर्कफ़्लो में विश्वसनीयता कितनी अहम हो चुकी है। बड़े प्रोडक्शन से लेकर मोबाइल कंटेंट तक, हर स्तर पर डेटा अब सबसे कीमती संपत्ति है।

रोचक बात यह है कि जहाँ एक ओर हाई-एंड सिनेमा मॉनिटर-रिकॉर्डर, अल्ट्रा-वाइड और मैक्रो लेंस, और प्रीमियम ऑप्टिक्स पेश किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर इंस्टेंट कैमरा, कॉम्पैक्ट प्राइम और ट्रैवल-फ्रेंडली गियर भी उतनी ही तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। यह संतुलन बताता है कि इंडस्ट्री केवल पेशेवरों के लिए नहीं, बल्कि हर स्तर के क्रिएटर के लिए विकसित हो रही है।

फ़रवरी 2026 हमें यह सिखाता है कि फोटोग्राफी का भविष्य केवल मेगापिक्सल या स्पेसिफिकेशन में नहीं, बल्कि पोर्टेबिलिटी, व्यावहारिकता, और रचनात्मक स्वतंत्रता में छिपा है। आज का फोटोग्राफर तेज़ी से बदलते माहौल में हल्के कदमों के साथ आगे बढ़ना चाहता है - कम बोझ, ज्यादा नियंत्रण, और तुरंत परिणाम।

स्टूडियो न्यूज़ अपने पाठकों के साथ इस बदलते परिदृश्य को साझा करने के लिए प्रतिबद्ध है। क्योंकि अंततः, उपकरण बदलते हैं, लेकिन तस्वीरों की भाषा वही रहती है, जो दिल से निकलकर सीधे दर्शक तक पहुँचती है। यही फोटोग्राफी की असली ताकत है, और यही 2026 की दिशा भी।

आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे, ऐसी ईश्वर से कामना है। फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें 11 से 7 बजे तक इन दूरभाष 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते है।

सुरेंदर सिंह बिष्ट, सम्पादक

16 जनवरी, लखनऊ में Sony Alpha 7 Mark V का भव्य लॉन्च, Imaging Business Head मुकेश श्रीवास्तव की गरिमामयी उपस्थिति

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

7Artisans ने लॉन्च किए छोटे और किफायती APS-C 'Lite' ऑटोफोकस प्राइम लेंस

7Artisans ने APS-C कैमरों के लिए अपनी नई 'Lite' ऑटोफोकस लेंस सीरीज़ पेश की है, जिसमें 25mm f/1.8, 35mm f/1.8 और 50mm f/1.8 शामिल हैं। Sony E और Fujifilm X माउंट के लिए बने ये लेंस बेहद हल्के (लगभग 180 ग्राम), कॉम्पैक्ट और बजट-फ्रेंडली हैं। STM ऑटोफोकस, आई-डिटेक्शन सपोर्ट और समान 58mm फिल्टर थ्रेड इन्हें रोज़मर्रा की फोटोग्राफी के लिए व्यावहारिक विकल्प बनाते हैं।

Meike का नया AF 23mm f/1.4 प्राइम: स्ट्रीट फोटोग्राफी के लिए तेज़ और किफायती विकल्प

Meike ने APS-C कैमरों के लिए नया AF 23mm f/1.4 प्राइम लेंस लॉन्च किया है, जो Sony E और Nikon Z माउंट में उपलब्ध है। STM ऑटोफोकस, फेस व आई-डिटेक्शन सपोर्ट और न्यूनतम फोकस ब्रीदिंग इसे फोटो और वीडियो दोनों के लिए उपयुक्त बनाते हैं। 9-ब्लेड अपर्चर, 0.25 मीटर क्लोज फोकस और ऑन-लेंस अपर्चर रिंग के साथ यह $290 में एक आकर्षक स्ट्रीट-फ्रेंडली विकल्प है।

Nikon ने लॉन्च किया NIKKOR Z 24-105mm f/4-7.1: रोज़मर्रा की फोटोग्राफी के लिए हल्का और बहुउपयोगी ज़ूम लेंस

Nikon ने फुल-फ्रेम Z-माउंट कैमरों के लिए नया NIKKOR Z 24-105mm f/4-7.1 स्टैंडर्ड ज़ूम लेंस पेश किया है। सिर्फ 350 ग्राम वज़न वाला यह 4.4x ज़ूम लेंस लैंडस्केप, ट्रैवल, स्ट्रीट और क्लोज-अप शूटिंग के लिए उपयुक्त है। STM ऑटोफोकस, 0.5x मैक्रो-लेवल रीप्रोडक्शन और कस्टम कंट्रोल रिंग के साथ यह Nikon Z5II के लिए एक आदर्श किट लेंस विकल्प है।

Godox AD100Pro II: कॉम्पैक्ट बॉडी में ज्यादा पावर और बेहतर कंट्रोल

Godox ने अपने पोर्टेबल फ्लैश AD100Pro का नया वर्ज़न AD100Pro II पेश किया है। इसमें 100Ws आउटपुट के साथ बेहतर कूलिंग सिस्टम दिया गया है, जिससे यह लगातार 60-100 फुल-पावर फ्लैश फायर कर सकता है। नई 3300mAh बैटरी से लगभग 490 फ्लैश मिलते हैं। कलर डिस्प्ले, ग्रुप इंडिकेटर लाइट, USB-C चार्जिंग और बेहतर वायरलेस सपोर्ट इसे आउटडोर फोटोग्राफरों के लिए और उपयोगी बनाते हैं।

Fujifilm instax mini Evo Cinema™: अब प्रिंट में मिलेगा वीडियो का अनुभव

Fujifilm ने जापान में instax mini Evo Cinema™ हाइब्रिड इंस्टेंट कैमरा लॉन्च किया है, जो फोटो के साथ-साथ 15 सेकंड तक वीडियो रिकॉर्ड कर सकता है। खास बात यह है कि वीडियो को QR कोड के साथ instax प्रिंट में बदला जा सकता है। नया Eras Dial™ अलग-अलग दौर से प्रेरित सिनेमैटिक इफेक्ट्स देता है। फिलहाल यह कैमरा केवल जापानी बाजार तक सीमित है।

Meta Ray-Ban Display Glasses में टेलीप्रॉम्प्टर फीचर, अंतरराष्ट्रीय लॉन्च पर रोक

Meta ने Ray-Ban Display Glasses में नया टेलीप्रॉम्प्टर फीचर जोड़ा है, जिससे यूज़र बोलते समय डिस्प्ले पर नोट्स पढ़ सकते हैं और सामने वाले को इसका अहसास नहीं होता। 600×600 पिक्सल डिस्प्ले Instagram स्क्रॉल, वीडियो कॉल और मैसेजिंग को सपोर्ट करता है। EMG आधारित Meta Neural Band से कंट्रोल संभव है। भारी मांग के चलते फिलहाल अमेरिका के बाहर लॉन्च रोक दिया गया है।

GoPro और Asus का नया सहयोग: ProArt GoPro Edition लैपटॉप

GoPro और Asus ने CES में ProArt GoPro Edition लैपटॉप पेश किया है, जो कंटेंट क्रिएटर्स के लिए खास तौर पर डिज़ाइन किया गया है। यह Asus ProArt P13 पर आधारित है, जिसमें AMD Ryzen AI 9 प्रोसेसर, Nvidia RTX 4070 GPU और 13-इंच 3K OLED टचस्क्रीन मिलती है। GoPro का StoryCube सॉफ्टवेयर कंटेंट मैनेजमेंट को आसान बनाता है। यह लैपटॉप अमेरिका में 2026 की शुरूआत में उपलब्ध होगा।

Apple Creator Studio: क्रिएटर्स के लिए ऑल-इन-वन प्रो ऐप्स सब्सक्रिप्शन

Apple ने Apple Creator Studio लॉन्च किया, जिसमें Final Cut Pro, Logic Pro, Pixelmator Pro, Motion, Compressor और MainStage एक ही सब्सक्रिप्शन में मिलते हैं। Keynote, Pages, Numbers और Freeform में भी नए AI फीचर्स व प्रीमियम कंटेंट जोड़ा गया है। iPad पर Pixelmator Pro पहली बार आया है। सब्सक्रिप्शन $12.99/माह या $129/वर्ष, छात्रों के लिए रियायती प्लान उपलब्ध। Mac, iPad और iPhone पर क्रिएटिव वर्कफ़्लो तेज, स्मार्ट और सरल।

Viltrox 56mm f/1.2 Pro अब Nikon Z माउंट में, पोर्ट्रेट के लिए तेज APS-C प्राइम

Viltrox का AF 56mm f/1.2 Pro अब Nikon Z माउंट में उपलब्ध है। APS-C पर यह 85mm समतुल्य फोकल लेंथ देता है। 13 एलिमेंट/8 ग्रुप ऑप्टिक्स में ED, aspherical और HR एलिमेंट्स शामिल हैं, जो शार्पनेस व कम क्रोमैटिक एबरेशन सुनिश्चित करते हैं। फुल-मेटल, डस्ट-स्प्लैश रेसिस्टेंट बॉडी, 595g वज़न, 67mm फ़िल्टर थ्रेड। तेज ऑटोफोकस, 0.5m क्लोज-फोकस और आकर्षक f/1.2 बोकेह पोर्ट्रेट के लिए उपयुक्त।

विवाद के बाद Grok के AI इमेज टूल पर रोक, अब केवल पेड यूज़र्स को अनुमति

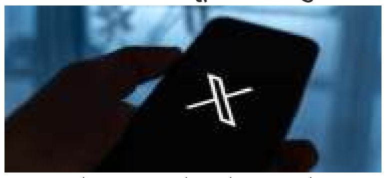

X AI ने Grok के इमेज जनरेशन व एडिटिंग फीचर को X पर केवल पेड सब्सक्राइबर्स तक सीमित कर दिया है। महिलाओं की तस्वीरों के दुरुपयोग पर बढ़ते विवाद और नियामकीय दबाव के बाद यह कदम उठाया गया। यूके में Online Safety Act के तहत कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। हालांकि, अलग Grok ऐप पर अब भी चिंताएं बनी हुई हैं, जहां ऐसे कंटेंट की अनुमति की रिपोर्ट सामने आई है।

Insta360 Link 2 Pro: अब वेबकैम में मिलेगा कैमरा जैसा क्वालिटी आउटपुट

Insta360 ने Link 2 Pro और Link 2C Pro 4K AI वेबकैम लॉन्च किए हैं, जो स्टूडियो-लेवल वीडियो और स्मार्ट कंट्रोल देने का दावा करते हैं। 1/1.3-इंच सेंसर, ड्यूल नेटिव ISO, HDR और तेज Phase Detection ऑटोफोकस बेहतर लो-लाइट व शार्प फोकस सुनिश्चित करते हैं। Link 2 Pro में 2-axis गिम्बल AI ट्रैकिंग के लिए है, जबकि 2C Pro स्टैटिक है। ड्यूल माइक्स, बीमफॉर्मिंग, जेस्चर कंट्रोल, ऑटो-फ्रेमिंग और Stream Deck सपोर्ट वर्कफ़्लो को प्रोफेशनल बनाते हैं।

Google Veo 3.1 अपडेट: अब AI वीडियो और भी ज्यादा रियलिस्टिक

Google के Veo 3.1 AI वीडियो मॉडल में बड़ा अपडेट आया है। नए "Ingredients to Video" फीचर से अब रेफरेंस इमेज के आधार पर वीडियो बनाना संभव है। साथ

शेष पृष्ठ 12 पर ...

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 से 5 मार्च 2026

एक फोटोग्राफ सच्चाई का चरम है क्योंकि तस्वीरें कभी झूठ नहीं बोलती। - मलिक सिदिबे

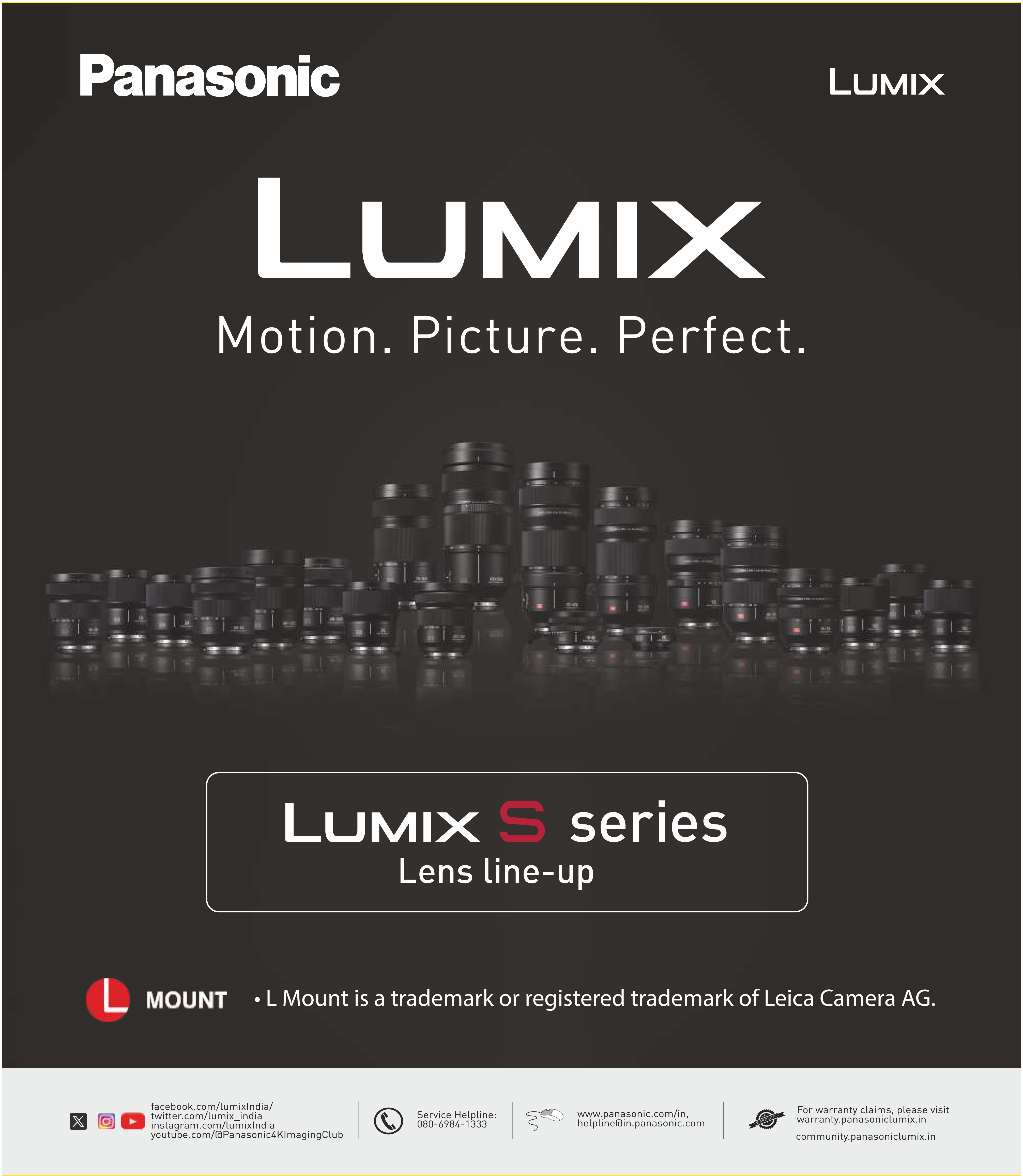

Sony Alpha A7 V - AI, स्पीड और भरोसे का संगम : मुकेश श्रीवास्तव

"आने वाले समय के फोटोग्राफरों के लिए मेरी सलाह है कि वे लगातार शूट करते रहें, कुछ नया सीखने की जिज्ञासा बनाए रखें और नई तकनीक को अपनाने के लिए हमेशा तैयार रहें। आज के दौर में फोटोग्राफी सिर्फ एक फोटो खींचने तक सीमित नहीं है; इसमें वीडियो, सिनेमैटिक स्टोरीटेलिंग और सोशल मीडिया के हिसाब से कंटेंट बनाना भी शामिल है।" **- मुकेश श्रीवास्तव,** हेड ऑफ इमेजिंग बिजनेस, सोनी इंडिया

Sony Alpha A7 V को आप भारतीय फ़ोटोग्राफ़रों के लिए कितना बड़ा गेम-चेंजर मानते हैं, और इसकी सबसे खास विशेषता क्या है?

नया लॉन्च किया गया ILCE-7V कैमरा, फुल-फ्रेम कैमरों की दुनिया में एक नया मानक स्थापित करता है। इसे खास तौर पर फोटोग्राफरों की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। यहाँ इसकी कुछ विशेष खूबियाँ दी गई हैं, इसकी सबसे बड़ी ताकत इसका भरोसेमंद ऑटोफोकस है, जो इंसानों, जानवरों और चलती-फिरती चीजों पर तुरंत फोकस कर लेता है। इससे आपसे कोई भी जरूरी पल मिस नहीं होता। यह कैमरा तेज धूप, गहरी छाया और कम रोशनी में भी बेहतरीन फोटो खींचता है। भारत की अलग-अलग लाइटिंग कंडीशन्स के हिसाब से यह फीचर बहुत काम का है। अपनी फास्ट परफॉरमेंस की वजह से यह शादियों, इवेंट्स, ट्रैवल और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी के लिए एकदम सही है। यह फोटो और वीडियो दोनों को बखूबी संभालता है, इसलिए क्रिएटर्स को अलग-अलग कैमरे रखने की जरूरत नहीं पड़ती। कुल मिलाकर, ILCE-7V एक भरोसेमंद और हर काम में आने वाला कैमरा है। यह कैमरा उन भारतीय फोटोग्राफरों के लिए बनाया गया है जो अलग-अलग तरह की फोटोग्राफी करते हैं और हर दिन एक जैसा शानदार रिजल्ट चाहते हैं।

इस कैमरे को डिज़ाइन करते समय प्रोफ़ेशनल फ़ोटोग्राफ़रों और कंटेंट क्रिएटर्स से मिले फीडबैक की क्या भूमिका रही?

ILCE-7V को खास बनाने में कंटेंट क्रिएटर्स और प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स के फीडबेक का बहुत बड़ा हाथ है। उनकी जरूरतों को समझते हुए ही इस कैमरे को एक नया रूप दिया गया है। प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स को ज्यादा स्पीड चाहिए थी, इसीलिए अब यह कैमरा 30 fps की तेज 'कंटीन्यूअस शूटिंग' को सपोर्ट करता है। इसके भरोसेमंद ऑटोफोकस की मदद से अब वाइल्डलाइफ, स्पोर्ट्स और इवेंट्स के दौरान पलक झपकते ही गुजर जाने वाले खास पलों को कैद करना बेहद आसान हो गया है। क्रिएटर्स की सुविधा के लिए Sony ने इसके डिजाइन और बनावट पर खास ध्यान दिया है। इसकी ग्रिप अब पहले से ज्यादा आरामदायक है, जिससे लंबे समय तक शूट करने में थकान नहीं होती। साथ ही, इसका नया और आसान 'मेनू सिस्टम' फोटो से वीडियो मोड में स्विच करना बहुत सरल बना देता है। ILCE-7V एक ऐसा कैमरा है जो प्रोफेशनल्स के लिए दमदार परफॉरमेंस और क्रिएटर्स के लिए सादगी का एक बेहतरीन कॉम्बिनेशन है। यह उन लोगों के लिए बना है जिन्हें असल शूटिंग के दौरान रफ्तार, आराम और सरलता, तीनों की तलाश रहती है।

Alpha A7 V में AI और ऑटोफोकस टेक्नोलॉजी किस तरह रियल-वर्ल्ड शूटिंग को आसान बनाती है? और आने वाले समय में कैमरा टेक्नोलॉजी में AI और कंप्यूटेशनल फोटोग्राफी की भूमिका को आप कैसे देखते हैं?

आजकल कंप्यूटेशनल फोटोग्राफी और AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) इमेजिंग की दुनिया को बदल रहे हैं, लेकिन सोनी इन तकनीकों का इस्तेमाल फोटोग्राफरों की मदद के लिए करता है, न कि उनके फैसले लेने के लिए। सोनी मुख्य रूप से AI का इस्तेमाल सटीक ऑटोफोकस और सब्जेक्ट की पहचान में करता है, ताकि कैमरा खुद समझ सके कि फोकस किस पर करना है। सही एक्सपोजर और नॉइस (Noise) पर कंट्रोल, ताकि मुश्किल रोशनी में भी साफ फोटो आए। इसका AI-आधारित रियल-टाइम ट्रैकिंग फीचर बहुत कमाल का है। जैसे ही आप शटर बटन को आधा दबाते हैं, यह आपके चुने हुए सब्जेक्ट पर फोकस लॉक कर देता है और उसके हिलने पर भी उसे ट्रैक करता रहता है। अगर किसी वजह से कैमरा सब्जेक्ट को पहचान नहीं पाता या 'सब्जेक्ट रिकॉग्निशन' बंद है, तो भी सोनी का खास एल्गोरिदम रंगों, पैटर्न और दूरी को इतनी तेजी से प्रोसेस करता है कि फोकस और ट्रैकिंग एकदम सटीक बनी रहती है।

साथ ही, सोनी ने इस बात का पूरा ख्याल रखा है कि कैमरे पर असली कंट्रोल फोटोग्राफर का ही रहे। प्रोफेशनल क्रिएटिविटी को बनाए रखने के लिए पूरा मैनुअल कंट्रोल ताकि फोटोग्राफर अपनी मर्जी से हर सेटिंग को मैन्युअली बदल सकते हैं। कैमरा बिना किसी छेड़छाड़ के RAW फाइल देता है, ताकि आप बाद में अपनी पसंद के हिसाब से फोटो को एडिट कर सकें। आप अपनी जरूरत के हिसाब से स्मार्ट फीचर्स (AI) को बदल सकते हैं या पूरी तरह बंद भी कर सकते हैं। इसका फायदा यह है कि जहाँ एक तरफ तकनीक आपकी स्पीड और सटीकता बढ़ाती है, वहीं फोटो के कम्पोज़िशन, एक्सपोज़र और रंगों पर आपका पूरा अधिकार रहता है। यह तकनीक फोटोग्राफर की जगह नहीं लेती, बल्कि उनकी मददगार बनती है। अंत में फोटो कैसी दिखेगी, इसका फैसला मशीन नहीं बल्कि इंसान ही करता है।

आज भारत में हाइब्रिड शूटर्स (Photo + Video) तेज़ी से बढ़ रहे हैं - Sony इस ट्रेंड को कैसे देखता है?

भारत में हाइब्रिड शूटिंग (फोटो और वीडियो दोनों एक साथ करना) का चलन बड़ी तेजी से बढ़ रहा है, क्योंकि आजकल लोग सबसे ज्यादा इंटरनेट और सोशल मीडिया पर ही चीजें देखते हैं। आज के समय में ब्रैंड्स, क्लाइंट्स और आम दर्शक भी एक ही क्रिएटर से फोटो, शॉर्ट वीडियो, रील्स और बिहाइंड-द-सीन्स (BTS) कंटेंट की उम्मीद करते हैं। इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म्स ने स्टोरी कहने का तरीका बदल दिया है, जहाँ अब फोटो के साथ-साथ वीडियो का होना भी उतना ही जरूरी हो गया है। यही वजह है कि अब फोटोग्राफर्स खुद को हाइब्रिड क्रिएटर्स के रूप में ढाल रहे हैं, जो जरूरत पड़ने पर पल भर में फोटोग्राफी से वीडियो मोड पर स्विच कर सकें। यह सिर्फ एक अस्थायी ट्रेंड नहीं है, बल्कि यह बदलाव इस बात को दिखाता है कि भारत में अब विजुअल कंटेंट किस तरह बनाया, शेयर और देखा जा रहा है।

भारतीय वेडिंग और इवेंट फ़ोटोग्राफी जैसे हाई-डिमांड सेगमेंट के लिए Alpha A7 V कितना उपयुक्त है?

आज के दौर में भारतीय शादियाँ और इवेंट्स सिर्फ यादें सहेजने तक सीमित नहीं रह गए हैं; अब लोगों को तेज़ काम और भरोसे के साथ-साथ 'सिनेमैटिक लुक' भी चाहिए, और ILCE-7V इस बदलाव में पूरी तरह खरा उतरता है। शादियों के माहौल, भीड़-भाड़ और गहमागहमी के बीच भी इसका तेज और सटीक ऑटोफोकस चेहरों और इमोशन्स को ट्रैक करता रहता है। इसकी हाई-स्पीड शूटिंग यह पक्का करती है कि कोई भी खास पल आपसे छूट न जाए। रात के फंक्शन हों या इनडोर वेन्यू, इसकी लो-लाइट परफॉरमेंस आपको साफ और बेहतरीन फोटो देती है। इसकी एडवांस वीडियो क्षमताएं क्रिएटर्स को फोटो के साथ-साथ शानदार सिनेमैटिक शॉट्स, स्लो मोशन और रील्स बनाने की सुविधा देती हैं। शादी जैसे हाई-प्रेशर और लंबे समय तक चलने वाले काम के दौरान, यह कैमरा फोटो, वीडियो और लाइव स्ट्रीमिंग के बीच आसानी से स्विच करने की ताकत देता है। ILCE-7V के साथ अब एक ही कैमरे से आप ऐसा कंटेंट तैयार कर सकते हैं जो इमोशनल भी हो और सोशल मीडिया पर छा जाने के लिए तैयार भी।

टियर-2 और टियर-3 शहरों में बढ़ती फ़ोटोग्राफी संस्कृति को देखते हुए Sony की क्या रणनीति है?

सोनी अब भारत के टियर-2 और टियर-3 शहरों (छोटे शहरों और कस्बों) को विकास के सबसे बड़े केंद्रों के रूप में देख रहा है, क्योंकि अब बहुत से नए क्रिएटर्स और फोटोग्राफर्स इन्हीं छोटे शहरों से निकलकर सामने आ रहे हैं। सिर्फ अपनी सर्विस और स्टोर्स बढ़ाने के अलावा, सोनी वहाँ के क्रिएटर्स के लिए एक पूरा माहौल तैयार कर रहा है। इसके लिए कंपनी कई कदम उठा रही है। सोनी नियमित रूप से वर्कशॉप्स, ऑन-ग्राउंड ट्रेनिंग और नई ट्रेनिंग पहल चला रहा है। इन प्रोग्राम्स का फोकस इस बात पर है कि क्रिएटर्स फोटो-वीडियो (हाइब्रिड) शूटिंग, सिनेमैटिक स्टोरीटेलिंग और सोशल मीडिया के हिसाब से कंटेंट बनाना सीखें। जब क्रिएटर्स अपने कैमरे की एडवांस खूबियों को पूरी तरह समझ लेते हैं, तो वे अपने काम की क्वालिटी सुधार पाते हैं और प्रोफेशनल डिमांड्स को पूरा कर पाते हैं। इससे न केवल क्रिएटर्स का करियर आगे बढ़ रहा है, बल्कि इन तेजी से बढ़ते बाजारों में सोनी के प्रति लोगों का भरोसा और लंबे समय का रिश्ता भी मजबूत हो रहा है।

पिछले साल, हमने **'अब कुछ सिनेमैटिक करते हैं'** कैंपेन लॉन्च किया था, जिसे खास तौर पर टियर-2 और टियर-3 शहरों के फोटोग्राफर्स के लिए बनाया गया था। इस कैंपेन ने लोगों के दिलों को छू लिया क्योंकि यह उन उभरते हुए फोटोग्राफर्स और क्रिएटर्स की उम्मीदों को दिखाता है, जो अपने काम को एक प्रोफेशनल और सिनेमैटिक लुक देना चाहते हैं। इस कैंपेन की सफलता की कुछ खास वजहें, सरल हिंदी भाषा और रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी कहानियों के जरिए यह कैंपेन सीधे लोगों के दिल तक पहुँचा। इसने छोटे शहरों के लोगों के साथ एक गहरा रिश्ता बनाया और बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इससे यह साबित हो गया कि इन बाजारों में अपनी पकड़ बनाने और भरोसा जीतने के लिए भावनाओं और स्थानीय भाषा का इस्तेमाल करना सबसे ज्यादा जरूरी है।

भारत में Sony Imaging Business के भविष्य को आप अगले 2-3 वर्षों में किस दिशा में जाते देखते हैं?

आने वाले वर्षों में, हमें लगता है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म, कंटेंट के तरीके और दर्शक और भी ज्यादा एडवांस हो जाएंगे। ऐसी स्थिति में, एक कैमरा ब्रैंड के तौर पर हमारी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाएगी, क्योंकि कहानियाँ सुनाने और उन्हें दिखाने के तरीके में कैमरा ही सबसे मुख्य जरिया होगा।

WAVES Summit जैसे प्लेटफॉर्म एक स्पष्ट राष्ट्रीय विजन की ओर इशारा करते हैं, भारत खुद को कंटेंट निर्माण, ब्रॉडकास्टिंग और डिजिटल स्टोरीटेलिंग के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में तैयार कर रहा है। वर्ष 2026 में, हमारा लक्ष्य भारत के क्रिएटिव ईकोसिस्टम के साथ अपने जुड़ाव को और भी गहरा करना है। इसके लिए हम ब्रॉडकास्टर्स, प्रोडक्शन हाउस, इंडिपेंडेंट क्रिएटर्स और उन संस्थानों के साथ मिलकर काम करेंगे जो देश के मीडिया भविष्य को नया रूप दे रहे हैं।

भारत में सबसे तेजी से बढ़ते कंटेंट फॉर्मेट्स में से एक है **'माइक्रो-ड्रामा'** - यानी छोटे, एपिसोड वाले और मोबाइल के हिसाब से बने वीडियो, जो हमारी स्थानीय भाषाओं, संस्कृति और रोजमर्रा की कहानियों पर आधारित होते हैं। इस फॉर्मेट की अपनी कुछ खास जरूरतें हैं, जिनमें इन्हें बहुत तेजी से शूट और एडिट करना पड़ता है। मोबाइल के लिए खड़े (वर्टिकल) फॉर्मेट में भी सिनेमैटिक क्वालिटी का होना जरूरी है। हमें इस क्षेत्र में एक बड़ा अवसर दिख रहा है। हमारा लक्ष्य क्रिएटर्स को ऐसे टूल्स उपलब्ध कराना है, जिससे वे अपनी कहानियों को बड़े स्तर पर ले जा सकें और उनकी मौलिकता भी बनी रहे।

भारत में ब्रॉडकास्टिंग और न्यूज़ एक बेहद महत्वपूर्ण स्तंभ बने रहेंगे, खासकर तब जब क्षेत्रीय समाचार, डिजिटल-फर्स्ट जर्नलिज़्म और लाइव रिपोर्टिंग का दायरा लगातार बढ़ रहा है। साल 2026 में, हमारा पूरा फोकस मोबिलिटी, भरोसेमंद परफॉर्मेंस और तेज़ टर्नअराउंड पर होगा। हमारा उद्देश्य पत्रकारों और ब्रॉडकास्टर्स को सशक्त बनाना है ताकि वे एक ही 'कैप्चर ईकोसिस्टम' (एक ही तरह के कैमरा सेटअप) के जरिए टेलीविजन, OTT और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बिना किसी रुकावट के काम कर सकें।

उतना ही महत्वपूर्ण भारत का विशाल और महत्वाकांक्षी **'एमेच्योर मार्केट'** भी है। स्टूडेंट्स और पहली बार कंटेंट बनाने वालों से लेकर छोटे व्यवसायों, शिक्षकों और स्थानीय कहानीकारों तक, यह वर्ग "एमेच्योर" शब्द की परिभाषा को ही बदल रहा है। हमने इस दिशा में पहले ही अपना नया कैंपेन **'फर्क पड़ता है'** शुरू कर दिया है। यह कैंपेन इस बात पर जोर देता है कि जब यादों को संजोने की बात आती है, तो स्मार्टफोन के मुकाबले कैमरे का इस्तेमाल करने से कितना बड़ा फर्क पड़ता है।

जैसे-जैसे भारत का कंटेंट ईकोसिस्टम वैश्विक स्तर पर और भी प्रभावशाली होता जा रहा है, साल 2026 वह साल होगा जब हम अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत करेंगे। हमारा लक्ष्य सिर्फ एक कैमरा ब्रैंड बने रहना नहीं है, बल्कि भारत की क्रिएटिव और मीडिया जगत की विकास यात्रा में एक दीर्घकालिक भागीदार बनना है।

स्टूडियो न्यूज के माध्यम से नए और उभरते फ़ोटोग्राफ़रों के लिए आपकी क्या सलाह रहेगी?

आने वाले समय के फोटोग्राफरों के लिए मेरी सलाह है कि वे लगातार शूट करते रहें, कुछ नया सीखने की जिज्ञासा बनाए रखें और नई तकनीक को अपनाने के लिए हमेशा तैयार रहें। आज के दौर में फोटोग्राफी सिर्फ एक फोटो खींचने तक सीमित नहीं है; इसमें वीडियो, सिनेमैटिक स्टोरीटेलिंग और सोशल मीडिया के हिसाब से कंटेंट बनाना भी शामिल है। इसलिए, आधुनिक टूल्स को सही ढंग से इस्तेमाल करना सीखना बहुत जरूरी है। इसके साथ ही, कुछ बुनियादी बातों पर ध्यान देना भी आवश्यक है, जैसे - लाइट, कंपोजिशन और सही टाइमिंग जैसी बेसिक चीजों पर अपनी पकड़ मजबूत रखें। सोनी का **'अल्फा क्लासरूम'** जैसे मुफ्त प्लेटफॉर्म नए फोटोग्राफरों की मदद के लिए ही बनाए गए हैं। यहाँ आप नए जमाने के स्किल्स सीख सकते हैं और अपने कैमरे की ताकत को पूरी तरह पहचान सकते हैं। नियमित अभ्यास और सही मार्गदर्शन के साथ, आप आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकते हैं और वक्त के साथ अपनी अलग पहचान बना सकते हैं।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 से 5 मार्च 2026

चित्रकला वास्तव में व्यवसाय नहीं है। यह तो मन के आंतरिक भावों की अभिव्यक्ति का माध्यम है। - रघु राय

महान विभूतियाँ

स्टैनली फ़ॉर्मन

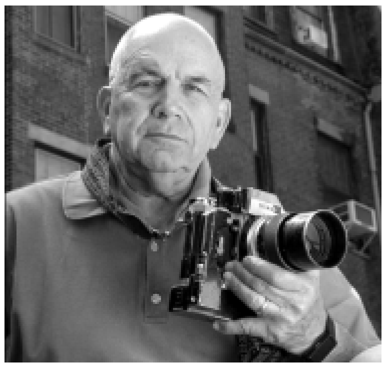

स्टैनली फ़ॉर्मन

स्टैनली जोसेफ फ़ॉर्मन का जन्म 10 जुलाई, 1945 को हुआ था। वे एक अमेरिकी फोटो जर्नलिस्ट (छायाकार) हैं। जब वे 'बोस्टन हेराल्ड' अखबार में काम करते थे, तब उन्होंने लगातार दो साल तक 'स्पॉट न्यूज फोटोग्राफी' के लिए पुलित्जर पुरस्कार जीता था।

स्टैनली फ़ॉर्मन अमेरिका के मैसाचुसेट्स राज्य के विन्थ्रॉप (Winthrop) शहर के रहने वाले हैं। उन्होंने रिवीर हाई स्कूल से अपनी पढ़ाई पूरी की और फिर 1965 से 1966 के बीच 'बेंजामिन फ्रैंकलिन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' से फोटोग्राफी सीखी। पढ़ाई खत्म करने के बाद, उन्होंने राजनीतिक अभियानों के लिए एक कैमरामैन के रूप में काम शुरू किया। इसके बाद वे 'बोस्टन हेराल्ड अमेरिकन' अखबार में फोटो लैब तकनीशियन के तौर पर शामिल हुए और बाद में उन्हें वहां स्टाफ फोटोग्राफर बना दिया गया।

इस तस्वीर में डायना और टियारे को फायर ब्रिगेड की सीढ़ी का इंतजार करते हुए और फिर फायर स्कैप के ढहने से पहले के उस भयानक पल को दिखाया गया है जब वे दोनों उस पर मौजूद थीं। यह तस्वीर सबसे पहले 'बोस्टन हेराल्ड अमेरिकन' अखबार में छपी थी, लेकिन बाद में इसे दुनिया भर के 100 से अधिक अखबारों में प्रकाशित किया गया।

"फ़ायर एस्केप कोलैप्स" - इस तस्वीर में एक युवती, डायना ब्रायंट और उनकी गोद ली हुई बेटी, टियारे जोन्स को आग लगने के दौरान एक ढहती हुई लोहे की सीढ़ी से गिरते हुए दिखाया गया है। बाद में पता चला कि वह बच्ची इसलिए बच गई क्योंकि वह अपनी माँ के शरीर पर गिरी थी, जिससे उसे चोट कम लगी। 1976 में, इस तस्वीर के लिए स्टैनली फ़ॉर्मन को पुलित्जर पुरस्कार मिला।

स्टैनली फ़ॉर्मन का पालन-पोषण रिवीर के एक मध्यमवर्गीय इलाके में एक यहूदी परिवार में हुआ था। उन्हें बचपन से ही पुलिस रेडियो सिग्नल सुनने का शौक था। उनकी बहन ने उन्हें फोटोग्राफी सीखने के लिए प्रोत्साहित किया, जिसके बाद उन्होंने हाई स्कूल खत्म करके एक दो-साल कॉलेज से फोटोग्राफी की पढ़ाई की।

1970 के दशक तक, फ़ॉर्मन को 'यूनाइटेड प्रेस इंटरनेशनल' और 'बोस्टन प्रेस फोटोग्राफर्स' की ओर से कई सम्मान और प्रशंसा पत्र मिलने लगे थे। साल 1973 में, उन्हें 'रीजनल फोटोग्राफर ऑफ द ईयर' (क्षेत्रीय सर्वश्रेष्ठ फोटोग्राफर) चुना गया।

स्टैनली फ़ॉर्मन को उनकी 1975 की मशहूर तस्वीर "फ़ायर एस्केप कोलैप्स" (Fire Escape Collapse) के लिए 'वर्ल्ड प्रेस फोटो ऑफ द ईयर' से सम्मानित किया गया था।

इस तस्वीर में एक युवती, डायना ब्रायंट और उनकी गोद ली हुई बेटी, टियारे जोन्स को आग लगने के दौरान एक ढहती हुई लोहे की सीढ़ी से गिरते हुए दिखाया गया है। बाद में पता चला कि वह बच्ची इसलिए बच गई क्योंकि वह अपनी माँ के शरीर पर गिरी थी, जिससे उसे चोट कम लगी। 1976 में, इस तस्वीर को पुलित्जर पुरस्कार मिला। यह फोटो एक सीरीज का हिस्सा थी, जिसमें 22 जुलाई, 1975 को बोस्टन की मार्लबोरो स्ट्रीट पर एक जलती हुई इमारत की पांचवीं मंजिल से 19 साल की डायना और 2 साल की टियारे को गिरते हुए कैद किया गया था। यह हादसा तब हुआ जब फायर ब्रिगेड की सीढ़ी उन तक पहुँचने ही वाली थी और अचानक इमारत की सीढ़ी ढह गई। वे लगभग 50 फीट (15 मीटर) की ऊँचाई से नीचे गिरे थे।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 से 5 मार्च 2026

‘चित्र इमारत की ही तरह बनाया जाता है-आधार, नींव, दीवारें, बीम, छत और तब जाकर वह टिकता है। - हेनरी कार्तिए-ब्रेसों

"द सॉयलिंग ऑफ ओल्ड ग्लोरी" (The Soiling of Old Glory) : अगले ही साल 1977 में उन्हें उनकी एक और प्रसिद्ध तस्वीर "द सॉयलिंग ऑफ ओल्ड ग्लोरी" (The Soiling of Old Glory) के लिए फिर से पुलित्जर पुरस्कार से नवाजा गया। यह तस्वीर बोस्टन में चल रहे नस्लभेद विरोधी विवाद के दौरान ली गई थी। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक श्वेत किशोर (जोसेफ रेक्स), अमेरिकी झंडे वाले डंडे को हथियार की तरह इस्तेमाल करके एक अश्वेत वकील (टेड लैंडमार्क) पर हमला कर रहा है।

यह तस्वीर एक मोटराइज्ड कैमरे से ली गई थी, जिसमें गिरते हुए गमले और टूटी हुई सीढ़ी के टुकड़े भी साफ दिखाई दे रहे हैं। इस सीरीज की अन्य तस्वीरों में डायना और टियारे को फायर ब्रिगेड की सीढ़ी का इंतजार करते हुए और फिर फायर स्केप के ढहने के उस भयानक पल को दिखाया गया है जब वे दोनों उस पर मौजूद थीं। यह तस्वीर सबसे पहले 'बोस्टन हेराल्ड अमेरिकन' अखबार में छपी थी, लेकिन बाद में इसे दुनिया भर के 100 से अधिक अखबारों में प्रकाशित किया गया। इस फोटो का इतना गहरा असर हुआ कि इसके कारण पूरे अमेरिका में 'फायर एस्केप' (आपातकालीन सीढ़ियों) की सुरक्षा से जुड़े नए और सख्त कानून लागू किए गए।

स्टैनली फ़ॉर्मन दुनिया के पहले ऐसे फोटोग्राफर हैं जिन्होंने लगातार दो साल (1976 और 1977) 'स्पॉट न्यूज़ फोटोग्राफी' के लिए पुलित्जर पुरस्कार जीता। 1976 में उन्हें यह पुरस्कार "फायर एस्केप कोलैप्स" तस्वीर के लिए मिला। अगले ही साल 1977 में उन्हें उनकी एक और प्रसिद्ध तस्वीर "द सॉयलिंग ऑफ ओल्ड ग्लोरी" (The Soiling of Old Glory) के लिए फिर से इस पुरस्कार से नवाजा गया। यह तस्वीर बोस्टन में चल रहे नस्लभेद विरोधी विवाद के दौरान ली गई थी। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक श्वेत किशोर (जोसेफ रेक्स), अमेरिकी झंडे वाले डंडे को हथियार की तरह इस्तेमाल करके एक अश्वेत वकील (टेड लैंडमार्क) पर हमला कर रहा है।

अगले वर्ष, उन्हें 'नीमन फेलो' के रूप में नामित किया गया और 'नेशनल प्रेस फोटोग्राफर्स एसोसिएशन' द्वारा 'जोसेफ ए. स्प्रेग मेमोरियल अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

करेन रोथमियर की 1991 की किताब, 'विनिंग पुलित्ज़र' के लिए दिए गए एक इंटरव्यू में, फ़ॉर्मन ने बताया कि उन्होंने ये तस्वीरें कैसे ली थीं। उनकी कहानी 22 जुलाई, 1975 से शुरू हुई, जब फ़ॉर्मन 'हेराल्ड अमेरिकन' के असाइनमेंट डेस्क के पास से गुजर रहे थे और उन्होंने दमकल विभाग का अलार्म सुना, जिसे वहां की बोलचाल की भाषा में "बॉक्स" कहा जाता था। इसके बाद जो हुआ, उसे फ़ॉर्मन ने इन शब्दों में बयां किया: "सिर्फ दो सेकंड और मिल जाते, तो मैं उन्हें बचा चुका होता।"

स्टैनली फ़ॉर्मन ने दो किताबें लिखी हैं, 'पोएटिक इमेजेस' (Poetic Images) और 'विजन्स ऑफ द नॉर्थ शोर' (Visions of the North Shore)।

80 वर्ष की आयु में भी स्टैनली फ़ॉर्मन पूरे जोश के साथ सक्रिय हैं। हम इस महान फोटो जर्नलिस्ट को सलाम करते हैं, जिन्होंने पत्रकारिता की दुनिया को कुछ सबसे यादगार और ऐतिहासिक तस्वीरें दी हैं। हम उनके अच्छे स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना करते हैं।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

जब तस्वीर बनने से पहले ही याद बन जाती है

हृदगंधा गिरीश मिस्त्री
एडवर्टाइजिंग एवं कमर्शियल फ़ोटोग्राफ़र, डीन और निदेशक, शारी अकादमी, मुंबई
@shari_academy | @thewayhridsees

कुछ पल ऐसे होते हैं जो सामने आते ही पुरानी यादों जैसे लगने लगते हैं। वे कोई शोर मचाकर नहीं आते। वे दबे पाँव, एक धीमी फुसफुसाहट की तरह आते हैं, जिन्हें आप समझाने से ज्यादा महसूस कर सकते हैं। उनमें कुछ ऐसे होते हैं जो बहुत जाने-पहचाने से लगते हैं, जैसे कोई ऐसा दृश्य जिसे आपकी रूह पहले से जानती हो। एक फोटोग्राफर के तौर पर, मैंने इन पलों को कैमरा उठाने से पहले ही पहचानना सीख लिया है। ये पल मुझे गहराई में खींच ले जाते हैं। वे मुझे ठहरने पर मजबूर कर देते हैं। और अक्सर वही ठहराव, एक तस्वीर की शुरूआत बन जाता है।

मेरे लिए फोटोग्राफी कभी भी तस्वीरों के पीछे भागने के बारे में नहीं रही। मेरा मानना है कि सबसे बेहतरीन फ्रेम शिकार करके नहीं पकड़े जाते, बल्कि वे हमें 'तोहफे' की तरह मिलते हैं। सालों के अनुभव से मैंने यह जाना है कि लोग ज्यादा उन्हीं तस्वीरों से जुड़ते हैं जिन्हें मैंने बहुत सोच-समझकर या कंट्रोल करके नहीं खींचा था। वे तस्वीरें तब सामने आती हैं जब मैं बहुत ज्यादा कोशिश नहीं कर रही होती। वे तब आती हैं जब मेरा मन खुला होता है, मैं उस पल में पूरी तरह मौजूद होती हूँ, और अपनी भावनाओं से सामने वाले दृश्य को महसूस कर पाती हूँ।

कुछ पलों में एक अलग ही तरह की ऊर्जा होती है। उनमें हलचल के बीच भी एक ठहराव होता है। भले ही सामने कुछ बड़ा या नाटकीय न हो रहा हो, फिर भी उनमें गहरी भावनाएँ छिपी होती हैं। उन पलों में एक खामोश गहराई होती है। जब भी मैं ऐसे किसी पल को महसूस करती हूँ, तो मैं अपनी रफ्तार धीमी कर लेती हूँ। मैं कुछ 'परफेक्ट' बनाने की जल्दी छोड़ देती हूँ। मैं कोई जबरदस्ती की कहानी बनाने की कोशिश नहीं करती, बस उस पल को वैसा ही रहने देती हूँ जैसा वह है। क्योंकि मेरे लिए, फोटोग्राफी सिर्फ देखने का नाम नहीं है, बल्कि आप जो देख रहे हैं उसके सच को महसूस करने का नाम है।

एक तस्वीर 'लेने' और उसे 'प्राप्त करने' में बहुत बड़ा अंतर है। जब आप किसी पल को प्राप्त करते हैं, तो आप उसमें दखल नहीं देते। आप निर्देश देकर उस खामोशी को नहीं तोड़ते। आप बेवजह के नियंत्रण से उसे और बेहतर बनाने की कोशिश भी नहीं करते। आप उस पल का सम्मान करते हैं। आप उसे सुनते हैं। आप उसके साथ तब तक ठहरते हैं जब तक कि वह खुद को पूरी तरह जाहिर न कर दे। तभी एक फ्रेम सिर्फ एक तस्वीर नहीं रह जाता, बल्कि एक गहरा जुड़ाव बन जाता है।

मैं अक्सर अपने छात्रों से भी फोटोग्राफी के बारे में यही बात करती हूँ। बहुत से लोग जब सीखने आते हैं, तो उन्हें लगता है कि वे बस कुछ तकनीकें, फॉर्मूले और शॉर्टकट्स सीख लेंगे। वे जानना चाहते हैं कि कौन सा लेंस इस्तेमाल करें, कैमरा सेटिंग्स क्या रखें, कौन सा एंगल सिनेमा जैसा दिखेगा और एडिटिंग का कौन सा स्टाइल उनके काम को सबसे अलग बनाएगा। और हाँ, ये सब चीजें मायने रखती हैं। तकनीक जरूरी है, कलाकारी जरूरी है और अनुशासन भी जरूरी है। लेकिन जो चीज वाकई में एक फोटोग्राफर को गढ़ती है, वह सिर्फ तकनीकी ज्ञान नहीं है। वह है आपके अंदर की वह काबिलियत, जिससे आप जो देख रहे हैं उसे महसूस कर सकें।

मैं यह इसलिए कह रही हूँ क्योंकि फोटोग्राफी की शिक्षा ने ही मुझे बनाया है। इसने मुझे सिर्फ कैमरा चलाना नहीं सिखाया, बल्कि मेरी आँखों, मेरे दिमाग और मेरे दिल को जीवन को एक अलग नजरिए से देखना सिखाया। शिक्षा आपको रुकना और उन चीजों पर गौर करना सिखाती है जिन्हें बाकी लोग अक्सर छोड़ देते हैं। यह आपको रोशनी को समझना सिखाती है, और साथ ही भावनाओं को भी। यह आपको मजबूत फ्रेम बनाना सिखाती है, लेकिन उससे भी जरूरी, यह आपको उस पल को पहचानना सिखाती है जिसे संजोया जाना चाहिए। और यहीं पर आपका अंतर्ज्ञान आपका सबसे बड़ा औजार बन जाता है। यही वह समझ है जो एक तकनीकी रूप से अच्छी तस्वीर और एक भावनात्मक रूप से यादगार तस्वीर के बीच का फर्क तय करती है। सबसे बेहतरीन फ्रेम हमेशा बनाए नहीं जाते, बल्कि वे महसूस किए जाते हैं। वे पहले आपके अंदर बनते हैं, और उसके बाद ही बाहर दिखाई देते हैं।

पूरी तरह उस पल में मौजूद रहना ही असली हुनर है। जब आप उस पल में पूरी तरह डूब जाते हैं, तो आपकी इंद्रियाँ प्राकृतिक रूप से तेज हो जाती हैं। आप छोटी से छोटी हलचल को भी गौर से देखने लगते हैं। जैसे - सांस लेने के तरीके में आया बदलाव, आँखों में एक पल की हिचकिचाहट, या रोशनी का किसी चेहरे को छूकर पल भर में निकल जाना। आप शब्दों के बीच की चुप्पी और हलचल के बीच के खालीपन को महसूस करने लगते हैं। कभी-कभी तो आपका शरीर आपके दिमाग से भी पहले प्रतिक्रिया दे देता है।

कभी-कभी आप अपनी छाती में कुछ ऐसा महसूस करते हैं जिसे आप शब्दों में भी बयां नहीं कर पाते। आपके भीतर एक हल्की सी 'क्लिक' होती है - एक खामोश पहचान। अक्सर वही अहसास एक तस्वीर की असली शुरूआत होता है।

मैंने ऐसा कई बार महसूस किया है, लेकिन एक पल मेरे साथ एक गहरे सच की तरह जुड़ा हुआ है। यह लॉकडाउन के समय की बात है। हमारे आसपास सब कुछ अनिश्चित, भारी और अनजाना सा लग रहा था। फिर भी एक शाम, वहाँ एक ऐसी खामोश शांति थी जो लगभग पवित्र महसूस हो रही थी। गिरीश अपनी व्हीलचेयर पर बैठे खुले समुद्र की ओर देख रहे थे, उनकी नजरें क्षितिज पर टिकी थीं। वे कोई पोज़ नहीं दे रहे थे, न ही कैमरे के लिए तैयार बैठे थे। वे बस वहाँ थे, पूरी तरह से उसी पल में, अपनी ही दुनिया और अपनी ही शांति में डूबे हुए।

वहाँ कोई बातचीत नहीं हो रही थी। मेरा इरादा कोई तस्वीर खींचने का भी नहीं था। लेकिन उस दृश्य में कुछ ऐसा था जो अपने आप में पूरा महसूस हो रहा था। मुझे याद भी नहीं कि मैंने उस वक़्त ज़्यादा कुछ सोचा। मैंने बस अपना कैमरा उठाया और फोटो खींच ली। वह पहले से तय नहीं था। उसे सजाया या संवारा नहीं गया था। उस पल में मेरा ध्यान फोटो की बनावट पर भी नहीं था। वह बस एक ऐसा अहसास था जिसे मैं महसूस तो कर सकती थी पर समझा नहीं सकती थी। मेरे अंदर कुछ ऐसा था जो जान गया था कि यह फ्रेम बहुत कीमती है।

आज जब मैं उस तस्वीर को पीछे मुड़कर देखती हूँ, तो वह सिर्फ एक फोटो से कहीं बढ़कर लगती है। ऐसा लगता है जैसे समय वहीं रुक गया हो। मुझे तब नहीं पता था कि वे हमें इतनी जल्दी छोड़कर चले जाएंगे। और फिर भी, वह फ्रेम उन्हें ठीक उसी तरह अपने भीतर समेटे हुए है जैसा मैं उन्हें याद रखना चाहती हूँ। शांत। मजबूत। खामोश। और शब्दों से परे किसी चीज़ से जुड़े हुए। वह उन तस्वीरों में से एक बन गई जो याद बनने से पहले ही एक याद थी।

यही मेरा मतलब है जब मैं कहती हूँ कि एक तस्वीर खिंचने से पहले ही याद बन सकती है। कुछ पल अपने साथ एक गहरी समझ लेकर आते हैं। उनमें एक ऐसी कोमलता, सच्चाई और गहराई होती है जिसे आपका दिल तुरंत पहचान लेता है। हो सकता है उस समय आप यह न समझ पाएं कि यह पल इतना जरूरी क्यों है। लेकिन बाद में, आपको एहसास होता है कि आपने कुछ ऐसा कैद कर लिया है जिसे कभी बदला नहीं जा सकता। आपने सिर्फ किसी इंसान या वस्तु की फोटो नहीं ली, बल्कि आपने जिंदगी का वह हिस्सा कैद कर लिया जो फिर कभी उसी तरह लौटकर नहीं आएगा।

याद दिला देने वाले ये पल दुर्लभ होते हैं, लेकिन इन्हें पहचानने में कभी गलती नहीं होती। एक बार जब आप इन्हें महसूस कर लेते हैं, तो आप इन पर भरोसा करने लगते हैं। इन पलों की अपनी एक अलग पहचान होती है जिसे शब्दों में बताना मुश्किल है, पर महसूस करना बहुत आसान। वे बहुत जाने-पहचाने लगते हैं, जैसे आप खुद के ही किसी पुराने हिस्से से मिल रहे हों। वे बहुत सहज होते हैं, जिनमें न कोई ज़बरदस्ती होती है और न ही कुछ सुधारने की ज़रूरत। वे अपने आप में इतने पूरे होते हैं कि उन्हें सहेजने के लिए बस एक ईमानदार फोटो ही काफी होती है।

यही वजह है कि मेरा मानना है कि फोटोग्राफी कोई जबरदस्ती की कहानी बनाने के बारे में नहीं है। यह तो उस कहानी को पहचानने के बारे में है जो पहले से ही आपके सामने घट रही है। आपके बाहर का हर पल हमेशा कुछ न कुछ कह रहा होता है, लेकिन ज्यादातर लोग उसे सुनने के लिए बहुत ज्यादा व्यस्त या भटके हुए होते हैं। जब आपकी अंदरूनी दुनिया आपके सामने हो रही हलचल से मेल खा जाती है, तब वह फ्रेम जिंदा हो उठता है। तब वह सिर्फ एक रिकॉर्ड या जानकारी नहीं रह जाता, बल्कि एक अहसास बन जाता है।

कभी-कभी ये पल हमारे मन के जख्मों को भरने का काम भी करते हैं। वे आपके भीतर छिपी किसी शांत चीज़ को छू लेते हैं, पुरानी यादें, कोमलता, स्पष्टता, कभी दुख, तो कभी कृतज्ञता। फोटोग्राफी एक ऐसा आईना बन जाती है जो बिना एक शब्द कहे आपकी मानसिक स्थिति को दर्शाती है। मेरी कुछ सबसे प्रभावशाली तस्वीरें मेरे सबसे कठिन दौर में सामने आई हैं, जब पुरानी यादें और वर्तमान के पल कुछ इस तरह मिल गए जिसकी मुझे ज़रूरत थी। जब जिंदगी बोझिल महसूस होती थी, तब फोटोग्राफी ने मुझे चैन की सांस दी। जब मेरे मन में शोर था, तब फोटोग्राफी ने मुझे शांति दी। जब मैं किसी और चीज़ पर काबू नहीं पा सकती थी, तब कम से कम मैं अपने सामने मौजूद उस सच्चाई के साथ पूरी तरह जुड़ सकती थी।

यही कारण है कि मैं हमेशा फोटोग्राफरों से कहती हूँ कि जल्दबाजी न करें। आज की दुनिया हमें रफ़्तार सिखाती है। यह हमें संख्या और लगातार कुछ न कुछ नया पेश करते रहना सिखाती है। लेकिन सच्ची फोटोग्राफी तेज़ नहीं होती। सच्ची फोटोग्राफी आपसे उस पल में पूरी तरह मौजूद रहने की माँग करती है। यह आपसे इतना धीमा होने को कहती है कि आप उन चीज़ों पर गौर कर सकें जिन्हें अक्सर बाकी लोग छोड़ देते हैं। यह आपसे किसी जगह के 'भावनात्मक तापमान' को सुनने के लिए कहती है। जब आप खुद को ऐसा करने के लिए तैयार कर लेते हैं, तो आपका काम अपने आप बदलने लगता है।

आप परफेक्शन के पीछे भागना बंद कर देते हैं। आप गलतियों से डरना छोड़ देते हैं। आप दूसरों को प्रभावित करने की कोशिश बंद कर देते हैं। आप सुनना शुरू करते हैं। आप गौर करना शुरू करते हैं। और फिर आप घबराहट या तनाव के बजाय अपनी अंतरात्मा की आवाज़ पर तस्वीरें खींचने लगते हैं।

और धीरे-धीरे, आपकी तस्वीरों में आपकी एक ऐसी खास पहचान झलकने लगती है जिसकी नकल कोई और नहीं कर सकता। क्योंकि तकनीक तो सीखी जा सकती है, लेकिन भावनाओं की सच्चाई की नकल नहीं की जा सकती।

जब हकीकत को भावनाओं के साथ कैमरे में उतारा जाता है, तो वह एक गहरा जुड़ाव बन जाती है। वह कुछ ऐसा बन जाती है जिसे कोई दूसरा व्यक्ति भी महसूस कर सकता है, भले ही वह उस वक्त वहाँ मौजूद न रहा हो। उस पल में पूरी तरह डूबकर खींची गई तस्वीर की यही ताकत होती है, वह फ्रेम की सीमाओं से परे जाकर बात करती है।

और यही वह पल होता है, जब एक तस्वीर खिंचने से पहले ही एक याद बन जाती है।

वह दो बार जीती है। एक बार आपके भीतर। और एक बार उस फ्रेम के अंदर।

यह पोर्ट्रेट मेरे स्वर्गीय पति गिरीश मिस्त्री ने खींचा था, जिन्होंने 35 साल पहले 'शारी एकेडमी ऑफ प्रोफेशनल फोटोग्राफी' की स्थापना की थी। मेरी हमेशा से यह ख्वाहिश थी कि वे मेरी एक तस्वीर खींचें, और आखिरकार उन्होंने 2018 में यह फोटो तब ली जब मैंने अपना सिर मुंडवाया था।

यह मेरे भीतर की एक ऐसी याद है जिसे मैं बड़ी खामोशी से अपने साथ संजोए रखती हूँ।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 से 5 मार्च 2026

असल में फोटोग्राफी का कैमरा से कोई लेना देना नहीं है। - लुकस जेंट्री

कैमरा मीटरिंग मोड्स (Camera Metering Modes)

अभिनीत मोहन सेठ
चाइल्ड फोटोग्राफर

दोस्तों आज हमलोग एक हिडन और बहुत ही इम्पॉर्टेन्ट कैमरा मोड्स के बारे में जानने की कोशिश करेंगे। हिडन इसलिए बोला क्यूंकि इन मोड्स का सपोर्ट कैमरे में हिडन फॉर्म में होता है। इनकी सेटिंग्स से ही कैमरा ये डिसाइड करता है कि आपके कैमरे को जो लाइट मिल रही है उसका कितना पोर्शन आपका कैमरा इस्तेमाल करेगा। फोटोग्राफी में Metering Modes का रोल बहुत इम्पॉर्टेन्ट होता है। कैमरे का metering system ही डिसाइड करता है कि फोटो कितनी ब्राइट या डार्क होगी, यानी एक्सपोज़र कैसा होगा।

सिंपल वर्ड्स में समझे तो आपका मीटरिंग मोड ही डिसाइड करता है कि जो लाइट आपके कैमरे में एंटर कर रही है वो आपके सब्जेक्ट के किस हिस्से पर कितनी पड़ेगी। अगर आपका सब्जेक्ट सिंगल है तो उस पर कितनी लाइट पड़नी चाहिए और अगर आपका सब्जेक्ट मल्टीपल है तो उस पर कितनी लाइट पड़नी चाहिए यह आपके कमरे का मीटरिंग मोड ही डिसाइड करता है। मीटरिंग मोड की वजह से ही आपके सब्जेक्ट की इम्पोर्टेंस समझ आती है।

Modern DSLR और Mirrorless cameras में मेनली 3 या 4 Metering Modes होते हैं।

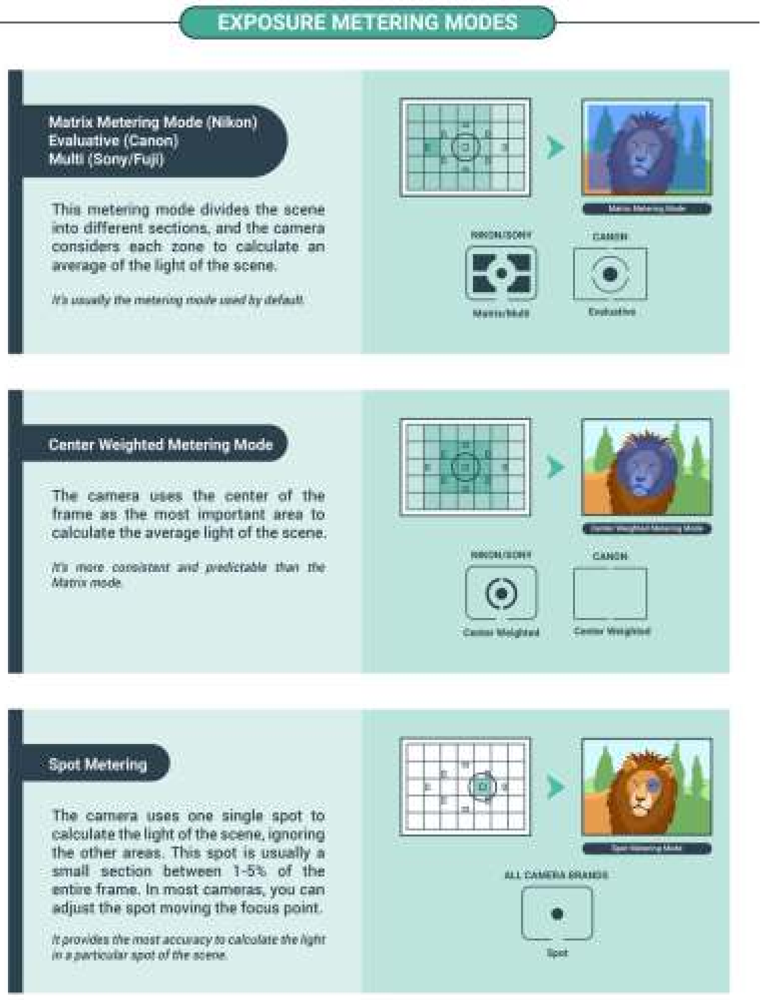

1. ईवेल्युएटिव / मैट्रिक्स मीटरिंग (Evaluative / Matrix Metering)

इस मोड में कैमरा पूरे फ्रेम को छोटे-छोटे ज़ोन्स में डिवाइड करता है और हर जोन की लाइट को एनालाइज करके बैलेंस्ड एक्सपोज़र देता है। इस मोड में कैमरा ओवरआल पूरे सीन को लाइटिंग प्रोवाइड करता है। आपके सीन में सब्जेक्ट कहीं भी हो उसको जरूरत भर का एक्सपोज़र मिल जाता है। यह मोड सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला मोड है। इससे आप लैंडस्केप, ट्रैवल फोटोग्राफी और रोज़मर्रा के शॉट ले सकते हैं।

अगर आप कोई लैंडस्केप खींच रहे हैं तो उसमें प्रजेंट जितने भी एलिमेंट्स होंगे चाहे आकाश हो, चाहे पेड़ हो ,चाहे कोई ह्यूमन एलिमेंट्स हो, यह मोड उन सबको बैलेंस करके फोटो क्लिक करेगा। यह बिगिनर्स के लिए बेस्ट माना जाता है। इसमें फोटोज के परफेक्टली एक्सपोज़ होने के चान्सेज ज्यादा रहते हैं। इस मोड को वेडिंग फोटोग्राफर्स ज्यादा यूज़ करते हैं। जब कभी आप अगेंस्ट लाइट फोटो खींच रहे हों तो सिल्हूट को कम करने में भी यह मोड काम करता है। जितना बड़ा एरिया होगा उतना ज्यादा एक्सपोज़र बैलेंस करने के लिए यह मोड़ यूज़ होगा।

2. सेंटर-वेटेड मीटरिंग (Center-Weighted Metering)

इस मोड में कैमरा आपके फ्रेम के सेंटर एरिया को ज़्यादा इम्पोर्टेंस देता है, लेकिन बाकी फ्रेम को भी कम्प्लीटली इग्नोर नहीं करता है। इस मोड को इस्तेमाल करने का सबसे बढ़िया मौका तब है जब आप पोर्ट्रेट शूट कर रहे हो या फिर आपका सब्जेक्ट सेंटर पर हो। अक्सर क्रिएटिव होने के लिए आप जब एक्सपेरिमेंट करते हैं तब भी आप सेंटर-वेट मीटरिंग का यूज़ कर सकते हैं। सपोज करें कि आप ब्राइड शूट कर रहे हो और आपके पास प्रॉपर लाइट का अरेंजमेंट भी है तो भी अगर आप सेंटर-वेट मीटरिंग का उपयोग करते हैं तो आपको आपके रिजल्ट में बाई डिफ़ॉल्ट विगनेट इफ़ेक्ट देखने को मिल सकता है। ये मोड पोर्ट्रेट और स्टूडियो शूट के लिए बहुत अच्छा माना जाता है। आपको लाइटनिंग का प्रॉपर डिस्ट्रीब्यूशन देखने को मिलेगा।

3. स्पाट मीटरिंग (Spot Metering)

इस मोड में कैमरा आपके फ्रेम के सेंटर के भी स्पॉट पॉइंट पर सबसे ज्यादा लाइट डालता है। इस स्पॉट का एरिया काफी छोटा होता है। मतलब आप यह समझिये कि सेंटर-वेट मीटरिंग मोड में जितना एरिया कवर होता है उससे भी कम एरिया स्पॉट मीटरिंग में कवर होता है। इस मोड का इस्तेमाल सबसे ज्यादा उन फोटोज के लिए होता है जिसमें आपको लाइट स्पॉट पर ही सबसे ज्यादा चाहिए होती है। इनके आलावा और सबसे ज्यादा इसका जहाँ इस्तेमाल होता है वो जगह है - बैकलिट सिचुएशन। बैकलिट का मतलब हुआ की जब आपके

फ्रेम में सब्जेक्ट के पीछे लाइट बहुत ज्यादा होती है या फिर जो सब्जेक्ट है उस पर लाइट बैकग्राउंड से कम है। सबसे बढ़िया उदाहरण है कि अगर आप चाँद की फोटो खींच रहे हैं तो चाँद की जो खुद की अपनी रौशनी है वो इतनी ज्यादा है कि आपको वह लाइट आपका कैमरा फोकस नहीं करने देगा, या फिर आउट ऑफ़ फोकस करेगा। ऐसी ही सेम सिचुएशन काफी हद तक आपको वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी में भी देखने को मिल जाएगी। जंगल में फोटोग्राफी करते वक़्त आपका सब्जेक्ट अक्सर करके डार्क दिखाई देता है। क्यूंकि या तो वो किसी आड़ में होता है या छाँव में खड़ा होता है। अगर आप लाइट बढ़ाएंगे तो बैकग्राउंड की लाइट भी बढ़ जाएगी जिससे फोटो ओवर एक्सपोज़ हो जाएगी। ऐसी सिचुएशन को कण्ट्रोल करने के लिए आपको स्पॉट मीटरिंग मोड का यूज़ करना पड़ता है। स्पॉट मीटरिंग मोड सारी लाइट को आपके सब्जेक्ट के किसी स्पॉट पर लाके छोड़ता है जिससे आपका सब्जेक्ट ब्राइट हो जाता है और बाकि सब बैकग्राउंड भी कण्ट्रोल हो जाता है।

तो दोस्तों इस अंक में इतना ही उम्मीद है आप लोगो को इस बार का आर्टिकल भी पसंद आया होगा, अगले अंक में हम इसी टॉपिक को और डिटेल में समझने की कोशिश करेंगे, अपना बहुत ख्याल रक्खें। बाए।

स्टूडियो न्यूज़
फोटोग्राफर साथियो, आप अपने जिले में होने वाली फोटोग्राफी वर्कशॉप, संगोष्ठी या फोटोग्राफी से सम्बन्धित अन्य किसी कार्यक्रम का विवरण एवं फोटो "स्टूडियो न्यूज" में छपवाने के लिये, mailtostudionews@gmail.com पर मेल करें।

पृष्ठ 4 से आगे ...

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

ही, मोबाइल-फर्स्ट क्रिएटर्स के लिए नेटिव वर्टिकल वीडियो आउटपुट जोड़ा गया है। Veo 3.1 अब 1080p से 4K अपस्केलिंग भी देता है। बेहतर कैरेक्टर, बैकग्राउंड और ऑब्जेक्ट कंसिस्टेंसी के साथ AI वीडियो पहले से ज्यादा प्राकृतिक और नियंत्रित दिखेंगे।

ProGrade Digital के CFexpress कार्ड अब NASA के चंद्र मिशन में

ProGrade Digital ने NASA के साथ Space Act समझौता किया है, जिसके तहत Artemis Moon मिशन में उसके CFexpress Type B मेमोरी कार्ड और रीडर उपयोग किए जाएंगे। ये स्टोरेज समाधान अंतरिक्ष जैसी कठिन परिस्थितियों में विश्वसनीय डेटा रिकॉर्डिंग के लिए चुने गए हैं, जो फोटोग्राफी और इमेजिंग वर्कफ़्लो में उनकी विश्वसनीयता को दर्शाता है।

Adobe Premiere 26 में आया One-Click Object Tracking, AI टूल्स से एडिटिंग और तेज

Adobe ने अपने लोकप्रिय वीडियो एडिटर का नया संस्करण Premiere 26 लॉन्च किया है, जिसमें "Pro" शब्द हटा दिया गया है, लेकिन फीचर्स पहले से अधिक उन्नत हैं। नया AI-powered Object Mask टूल एडिटर्स को एक क्लिक में किसी भी ऑब्जेक्ट या व्यक्ति को मास्क और ट्रैक करने की सुविधा देता है। साथ ही Shape Masks अब 20 गुना तेज ट्रैकिंग देते हैं। Frame.io V4 पैनल भी सीधे Premiere में उपलब्ध है, जिससे रिमोट सहयोग और आसान हो गया है।

Lexar TouchLock SSD: NFC सिक्योरिटी और हार्डवेयर एन्क्रिप्शन के साथ सुरक्षित पोर्टेबल स्टोरेज

Lexar ने अपनी नई TouchLock Portable SSD पेश की है, जो NFC आधारित सिक्योरिटी और 128-bit AES हार्डवेयर एन्क्रिप्शन के साथ आती है। यह SSD पासवर्ड की बजाय स्मार्टफोन NFC ऑथेंटिकेशन से अनलॉक होती है और डिस्कनेक्ट होते ही खुद लॉक हो जाती है। MagSafe-ready अल्ट्रा-स्लिम डिज़ाइन इसे मोबाइल वर्कफ़्लो के लिए उपयुक्त बनाता है। संवेदनशील डेटा के साथ काम करने वाले प्रोफेशनल्स और एंटरप्राइज यूज़र्स के लिए यह सुरक्षित और सुविधाजनक स्टोरेज समाधान है।

Nikon ZR Firmware 1.10: अब 6 घंटे तक लगातार रिकॉर्डिंग संभव

Nikon ने ZR के लिए Firmware 1.10 जारी किया है, जिससे अधिकतम रिकॉर्डिंग समय 125 मिनट से बढ़कर 360 मिनट (6 घंटे) हो गया है। टाइमकोड अब वायर्ड कनेक्शन से अधिक विश्वसनीय तरीके से सिंक होगा। RED-स्टाइल फाइल नेमिंग, वेवफॉर्म/हिस्टोग्राम में क्लिपिंग चेतावनी, पावर-ऑन लैम्प विकल्प, 12-bit R3D चयन और 50 LUT इम्पोर्ट सपोर्ट जैसे फीचर मल्टी-कैमरा और प्रो वीडियो प्रोडक्शन को अधिक आसान बनाते हैं।

Photoshop 27.2 अपडेट: Camera Raw टूल्स अब Adjustment Layers के रूप में

Adobe ने Photoshop 27.2 जारी किया है, जिसमें लोकप्रिय Camera Raw टूल्स अब सीधे Adjustment Layers के रूप में मिलते हैं। फोटोग्राफर्स बिना RAW फाइल खोले ही एक्सपोज़र, कलर और टोन पर नॉन-डिस्ट्रक्टिव कंट्रोल पा सकते हैं। साथ ही Adobe Firefly फीचर्स और परफॉर्मेंस में भी सुधार हुआ है, जिससे विज़ुअल आर्टिस्ट्स का वर्कफ़्लो तेज और अधिक लचीला बनता है।

Google Photos के Image-to-Video टूल में अब कस्टम प्रॉम्प्ट और ऑडियो का विकल्प

Google Photos ने अपने AI आधारित Image-to-Video फीचर को और शक्तिशाली बना दिया है। पहले जहाँ यूज़र किसी स्टिल फोटो से 6-सेकंड का छोटा वीडियो बना सकते थे, अब वे कस्टम टेक्स्ट प्रॉम्प्ट देकर वीडियो के मूड, मूवमेंट और स्टाइल को निर्देशित कर सकते हैं। साथ ही ऑडियो जोड़ने का विकल्प भी दिया गया है, जिससे वीडियो अधिक जीवंत और अभिव्यक्तिपूर्ण बनता है। यह अपडेट मोबाइल-फर्स्ट क्रिएटर्स के लिए रचनात्मक नियंत्रण को काफी बढ़ाता है।

Instagram, Facebook और WhatsApp पर Meta शुरू करेगा प्रीमियम सब्सक्रिप्शन ट्रायल

Meta जल्द ही Instagram, Facebook और WhatsApp पर पेड सब्सक्रिप्शन मॉडल का परीक्षण शुरू करने जा रहा है। इस प्रीमियम एक्सेस में यूज़र्स को उन्नत AI टूल्स मिलेंगे, जिनमें Vibes वीडियो फीचर भी शामिल है। कंपनी का लक्ष्य क्रिएटर्स और प्रोफेशनल यूज़र्स को बेहतर एडिटिंग, वीडियो निर्माण और स्मार्ट टूल्स उपलब्ध कराना है, ताकि वे अधिक प्रभावशाली कंटेंट तैयार कर सकें और अपने वर्कफ़्लो को तेज बना सकें।

Rollei ने E और Z माउंट के लिए 24mm और 35mm f/1.8 ऑटोफोकस प्राइम लेंस किए लॉन्च

Rollei ने अपनी VAF ऑटोफोकस लेंस सीरीज़ का विस्तार करते हुए दो नए फुल-फ्रेम प्राइम लेंस AF 24mm f/1.8 और AF 35mm f/1.8 पेश किए हैं। ये लेंस Sony FE और Nikon Z माउंट के लिए उपलब्ध हैं। पहले लॉन्च हुए 85mm f/1.8

के बाद अब यह वाइड और स्टैंडर्ड फोकल लेंथ विकल्प फोटोग्राफर्स और हाइब्रिड क्रिएटर्स को बेहतर लो-लाइट प्रदर्शन, शार्प इमेज क्वालिटी और तेज ऑटोफोकस के साथ अधिक रचनात्मक स्वतंत्रता प्रदान करते हैं।

Godox Knowled सीरीज़ में P600R P4 और P1200R P8 फुल-कलर LED पैनल लॉन्च

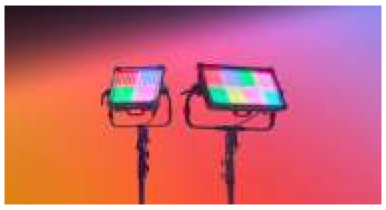

Godox ने अपनी प्रोफेशनल Knowled लाइटिंग रेंज का विस्तार करते हुए P600R Hard P4 और P1200R Hard P8 फुल-कलर LED पैनल पेश किए हैं। ये लाइट्स फिल्म, ब्रॉडकास्ट और बड़े प्रोडक्शन सेटअप के लिए डिज़ाइन की गई हैं। हाई-आउटपुट RGB परफॉर्मेंस, पिक्सेल-लेवल कंट्रोल और वेदर-रेसिस्टेंट बॉडी इन्हें स्टूडियो और आउटडोर शूट दोनों के लिए उपयुक्त बनाती है, जिससे क्रिएटर्स को सटीक कलर कंट्रोल और भरोसेमंद लाइटिंग मिलती है।

Laowa 90mm f/2.8 Ultra Macro अब Micro Four Thirds के लिए, 4x मैग्निफिकेशन के साथ

Laowa ने अपने लोकप्रिय 90mm f/2.8 Ultra Macro APO लेंस को Micro Four Thirds माउंट में पेश किया है। यह लेंस OM System और Panasonic कैमरा यूज़र्स को 4x मैग्निफिकेशन तक बेहद क्लोज़ डिटेल कैप्चर करने का मौका देता है। शानदार शार्पनेस, कम क्रोमैटिक एबर्रेशन और सटीक मैक्रो परफॉर्मेंस के साथ यह लेंस कीट-पतंगों, टेक्सचर और प्रोडक्ट फोटोग्राफी के लिए बेहतरीन विकल्प बनकर उभरता है।

DJI RS 5 गिम्बल: बेहतर सब्जेक्ट ट्रैकिंग और जबरदस्त बैटरी लाइफ

DJI ने Ronin सीरीज़ का नया प्रोफेशनल गिम्बल RS 5 लॉन्च किया है, जिसमें उन्नत सब्जेक्ट ट्रैकिंग, अधिक स्थिरता और लंबी बैटरी लाइफ मिलती है। नया RS Enhanced Intelligent Tracking Module टचस्क्रीन से ही लोगों, गाड़ियों और पालतू जानवरों तक को 10 मीटर दूरी से ट्रैक कर सकता है। पाँचवीं पीढ़ी का स्टेबलाइजेशन एल्गोरिद्म 50% अधिक मोटर टॉर्क देता है, जिससे रनिंग शॉट्स और वर्टिकल वीडियो में भी स्मूद फुटेज मिलता है। 14 घंटे की बैटरी और वैकल्पिक BG70 ग्रिप के साथ 30 घंटे तक रिकॉर्डिंग संभव है।

Leica ने पेश किया पहला 35mm Noctilux-M f/1.2 ASPH. लेंस

Leica ने अपना पहला Noctilux-M 35mm f/1.2 ASPH. लेंस पेश किया है। f/1.2 अपर्चर के साथ यह शानदार लो-लाइट परफॉर्मेंस, बेहद शैलो डेप्थ और मखमली बोके देता है। 50 सेमी तक क्लोज फोकस, फ्लोटिंग एलिमेंट और तीन एस्फेरिकल लेंस उच्च कॉन्ट्रास्ट व शार्पनेस सुनिश्चित करते हैं। 35mm फोकल लेंथ इसे पोर्ट्रेट, स्ट्रीट और रिपोर्टेज के लिए आदर्श बनाती है। कॉम्पैक्ट, हैंडक्राफ्टेड डिजाइन Wetzlar में तैयार किया गया है।

SmallRig की नई Freeze-Proof बैटरी, -40°C में भी कैमरा रहेगा चालू

SmallRig ने NP-F970 स्टाइल की नई बैटरी पेश की है, जो -40°C तापमान में भी स्थिर पावर देती है। 7500mAh क्षमता वाली यह बैटरी USB-C (36W PD) और USB-A पोर्ट के साथ पावर बैंक की तरह भी काम करती है। दो घंटे में फुल चार्ज, OLED डिस्प्ले, टच कंट्रोल और ड्यूल आउटपुट सर्किट इसकी खासियत हैं। यह बैटरी विभिन्न कैमरों को एडेप्टर प्लेट के जरिए आसानी से पावर दे सकती है।

Godox V1mid: कॉम्पैक्ट राउंड-हेड फ्लैश, काम का और किफायती विकल्प

Godox ने V1mid ऑन-कैमरा राउंड-हेड फ्लैश पेश किया है, जो हल्का (413g) और कॉम्पैक्ट डिज़ाइन के साथ आता है। 1.7 सेकंड रीसायकल टाइम और एक चार्ज में 650 फुल-पावर फ्लैश इसकी प्रमुख खूबियाँ हैं। यह TTL, मैनुअल, मल्टी मोड, HSS (1/8000s, Sony पर 1/80000s) सपोर्ट करता है। 2-इंच टचस्क्रीन कंट्रोल, 2.4GHz X वायरलेस सिस्टम, 2.5mm सिंक पोर्ट और AK-R1 मैग्नेटिक एक्सेसरी सपोर्ट इसे मल्टी-फ्लैश सेटअप के लिए उपयोगी बनाते हैं।

Canon के दो दमदार अल्ट्रा-वाइड RF लेंस: 190° फिशआई ज़ूम और f/1.4 प्राइम

Canon ने RF माउंट के लिए RF7-14mm F2.8-3.5 L Fisheye STM और RF14mm F1.4 L VCM लेंस लॉन्च किए। 7-14mm फिशआई ज़ूम 190° व्यू के साथ सर्कुलर और डायगोनल फिशआई देता है, VR व स्पोर्ट्स के लिए उपयुक्त है। वहीं 14mm f/1.4 प्राइम कम रोशनी, एस्ट्रो और आर्किटेक्चर के लिए आदर्श है। उन्नत ऑप्टिक्स, कम फोकस ब्रीदिंग, कंट्रोल रिंग और वीडियो-फ्रेंडली डिजाइन इसे प्रो फोटोग्राफर्स व हाइब्रिड क्रिएटर्स के लिए खास बनाते हैं।

Astro फोटोग्राफरों के लिए खुशखबरी: Canon का सबसे वाइड 14mm f/1.4 RF प्राइम

Canon ने RF 14mm F1.4 VCM L पेश किया है, जो RF माउंट का अब तक का सबसे वाइड f/1.4 प्राइम है। 18 एलिमेंट्स (13 ग्रुप) वाले इस लेंस में Fluorite, UD, BR और तीन Aspherical एलिमेंट्स के साथ SWC/ASC कोटिंग दी गई है। 0.24m क्लोज फोकस, 578g वज़न, रियर जेल-फिल्टर स्लॉट और वीडियो-फ्रेंडली कंट्रोल इसे एस्ट्रो, लैंडस्केप व हाइब्रिड शूट के लिए बेहतरीन बनाते हैं। फ्रंट फिल्टर सपोर्ट नहीं है, लेकिन ऑप्टिकल क्वालिटी प्रीमियम स्तर की है।

Atomos Shogun AV-19: 19-इंच 4K HDR Rack Monitor जो करता है Monitor-Record-Switch

Atomos ने Shogun AV-19 पेश किया है, 19-इंच का 4K HDR रैक-माउंट मॉनिटर-रिकॉर्डर-स्विचर, जो लाइव प्रोडक्शन, ब्रॉडकास्ट और वीडियो विलेज सेटअप के लिए बनाया गया है। 7RU रग्ड फॉर्म-फैक्टर में यह मल्टी-कैमरा स्विचिंग, ISO रिकॉर्डिंग और एडवांस मॉनिटरिंग को एक ही यूनिट में जोड़ता है। यह "Monitor-Record-Switch" ऑल-इन-वन समाधान प्रो-टीम्स को कॉम्पैक्ट, विश्वसनीय और सुव्यवस्थित वर्कफ़्लो प्रदान करता है।

Canon PowerShot के 30 साल पूरे, G7 X Mark III का लिमिटेड एडिशन अप्रैल में

Canon ने PowerShot कॉम्पैक्ट कैमरा सीरीज़ के 30 वर्ष पूरे होने पर PowerShot G7 X Mark III का लिमिटेड एडिशन घोषित किया है, जो अप्रैल 2026 में आएगा। ग्रेफाइट बॉडी, डायमंड-नर्लिंग फ्रंट रिंग और 30th एनिवर्सरी लोगो इसे खास बनाते हैं। 1-इंच 20.1MP स्टैक्ड CMOS सेंसर, 4.2x ब्राइट ज़ूम और "Video Blog" मोड के साथ यह कॉम्पैक्ट कैमरा फोटो व व्लॉगिंग दोनों के लिए उपयुक्त है।

STUDIO NEWS
लखनऊ, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 से 5 मार्च 2026

फोटोग्राफी सिर्फ सच ही नहीं दिखाता बल्कि उस सच के बारे में आपकी राय भी प्रदर्शित करता है। - आरोन सिसकिंड

वाराणसी में फाटोत्सव-5 का आयोजन, 30 जनवरी 2026

मोबाइल फोटोग्राफी टिप्स और ट्रिक्स

बेहतरीन फोटोग्राफी के लिए नेचुरल लाइट (गोल्डन ऑवर) का उपयोग करें, ग्रिड लाइन्स ऑन करके रूल ऑफ थर्ड्स का पालन करें, और स्थिर शॉट्स के लिए ट्राइपॉड इस्तेमाल करें। स्मार्टफोन में प्रो मोड, RAW फॉर्मेट, और विषय के करीब जाकर (डिजिटल जूम न करके) बेहतर डिटेल पाएं। विषय को फोकस में रखें और बैकग्राउंड को साफ़ रखें।

- **अल्ट्रा-वाइड लेंस का सही उपयोग:** अल्ट्रा-वाइड का उपयोग करते समय मुख्य विषय को केंद्र (center) के पास रखें, अन्यथा किनारे विकृत (distort) हो सकते हैं।
- **प्रो मोड/मैनुअल सेटिंग्स:** 2026 में ऑटो मोड से आगे बढ़ें। ISO, शटर स्पीड और अपर्चर (Aperture) को नियंत्रित करके DSLR जैसी फोटो लें।
- **नाइट मोड और ट्राइपॉड:** रात में धुंधली फोटो से बचने के लिए ट्राइपॉड का उपयोग करें और स्टेबल शॉट्स लें।
- **क्लीन लेंस:** फोटो लेने से पहले लेंस को साफ़ करना न भूलें, इससे स्पष्टता और तीक्ष्णता (sharpness) बढ़ती है।
- **एडिटिंग टूल्स:** स्नैपसीड (Snapseed) या लाइटरूम (Lightroom) जैसे ऐप्स का उपयोग करके कंट्रास्ट, ब्राइटनेस और रंग को बेहतर बनाएं।
- **रॉ (RAW) फॉर्मेट:** एडिटिंग की गुंजाइश बढ़ाने के लिए रॉ फॉर्मेट में शूट करें, जो जेपीईजी (JPEG) की तुलना में अधिक डेटा सुरक्षित रखता है।
- **हाई-रेजोल्यूशन (High-Res) मोड:** दिन के उजाले में या लैंडस्केप के लिए हाई-रेजोल्यूशन मोड का उपयोग करें, लेकिन सामान्य दृश्यों के लिए स्टैंडर्ड मोड बेहतर है।
- **स्मार्टफोन एआर टूल्स:** फोटो लेने के अलावा, कैमरे का उपयोग ऑब्जेक्ट्स की लंबाई मापने के लिए AR टूल के रूप में भी करें।
- **वीडियो में फोकस:** चलते हुए सब्जेक्ट के लिए AI सर्वो या कंटीन्यूअस-सर्वो ऑटोफोकस (AF) का उपयोग करें।
- **लाइटिंग का खेल:** बैकलाइटिंग (पीछे से रोशनी) से बचें और अगर आप इंडोर हैं तो एडीशनल लाइटिंग का उपयोग करें।
- **कंट्रास्ट मेंटेन करें:** मल्टीपल ऑब्जेक्ट्स की फोटो लेते समय उन्हें ओवरलैप न करें और मैन सब्जेक्ट को स्टैंड आउट कराएं।
- **ग्रिड लाइन्स ऑन करें:** यह सीधे क्षितिज (horizon) को संरेखित करने में मदद करता है।
- **एंगल्स का प्रयोग:** अलग-अलग कोणों से फोटो लेकर नई रचनात्मकता लाएं।
- **प्रैक्टिस:** नियमित अभ्यास से फोटोग्राफी स्किल्स को निखारा जा सकता है।

कैनन द्वारा आयोजित फोटोग्राफी वर्कशॉप

लखनऊ (10 जनवरी 2026)

सीतापुर (17 जनवरी 2026)

अमेठी (18 जनवरी 2026)

अयोध्या (19 जनवरी 2026)

प्रयागराज (20 जनवरी 2026)

मिर्जापुर (21 जनवरी 2026)

गोरखपुर (23 जनवरी 2026)

आजमगढ़ (24 जनवरी 2026)

लखीमपुर (28 जनवरी 2026)

निकॉन द्वारा आयोजित फोटोग्राफी वर्कशॉप

निकॉन द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, बिजनौर (19 जनवरी 2026)

निकॉन द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, फर्रूखाबाद (23 जनवरी 2026)

निकॉन द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, कानपुर (28 जनवरी 2026)

अन्य फोटोग्राफी वर्कशॉप एवं कार्यक्रम

PAUP के कैलेण्डर का अनावरण, मिर्जापुर (11 जनवरी 2026)

PAUP मीराजपुर द्वारा वार्षिकोत्सव 5.0 का आयोजन, मिर्जापुर (11 जनवरी 2026)

सोनी द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, फर्रूखाबाद

PAUP द्वारा आयोजित फोटो पिकनिक एवं वर्कशॉप, रायबरेली (20-21 जनवरी 2026)

पैनासोनिक द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, रायबरेली (21 जनवरी 2026)

PAUP द्वारा PAUPINDIA ऐप का शुभारम्भ, लखनऊ (26 जनवरी 2026)

STUDIO NEWS

लखनऊ, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 से 5 मार्च 2026

मेरी तस्वीरों को देखकर आप यह पाएंगे कि मुझे तस्वीरों में मौजूद उन लोगों और उन क्षणों से प्रेम हो गया था। - एनी लीबोविट्ज़

PAUP बाराबंकी द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव-2026, 25 जनवरी 2026

फुजीफिल्म द्वारा आयोजित फोटोग्राफी वर्कशॉप

मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, कानपुर (19 जनवरी 2026)

मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, बिसवाँ, सीतापुर (20 जनवरी 2026)

फोटोग्राफी वर्कशॉप, वाराणसी (21 जनवरी 2026)

मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, प्रतापगढ़ (24 जनवरी 2026)

मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, जामों-अमेठी (25 जनवरी 2026)

फोटोग्राफी वर्कशॉप, अम्बेडकर नगर (27 जनवरी 2026)

Corporate/Registered Office & Service Centre: Nikon India Pvt. Ltd., Plot No. 71, Sector 32, Institutional Area, Gurugram 122001, Haryana, (CIN-U74999HR2007FTC036820). Ph: 0124 4688500, Service Ph: 0124 4688514, Service ID: nindsupport@nikon.com, Sales and Support ID: nindsales@nikon.com, For more information, please visit our website: www.nikon.co.in

Nikonindia nikonindiaofficial Nikonindia Nikonindia nikon-india-private-limited

NIKON ZF
PRODUCT PAGE

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 9335915600, 0522-4108575, ई-मेल: mailtostudionews@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in